परिदृश्य की पहली वर्षगांठ

दिनांक २७/०४/२०२२ दिन बुधवार समय दोपहर 12 बजे को राजनीति विज्ञान विभाग के 'परिदृश्य- एक सवादात्मक चिंतन' मंच की पहली वर्षगांठ मनाई गयी,इस अवसर पर विश्वविद्यालय के UTD-A विंग के कक्ष क्रमांक -२९ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्यअतिथि अधिष्ठाता,सामाजिक विज्ञान संकाय प्रोफेसर प्रवीण कुमार मिश्रा रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर अनुपमा सक्सेना (विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग) द्वारा किया गया । अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक 'परिदृश्य' के संचालन एवं विभिन्न गतिविधि आयोजित करने एवं प्रथम वर्षगाठ पर शुभकामनाएं प्रेषित की गयी, इस अवसर पर मुख्यअतिथि प्रोफेसर प्रवीण मिश्रा द्वारा संबोधित किया गया, जिनमे उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर इसी प्रकार प्रयास करने का आव्हान किया, उन्होंने 'परिदृश्य' को एक नया आयाम पर ले जाने की बात कही, सृजनात्मक कार्य जिसमे प्राचीन काव्य, साहित्य, नाट्य आदि को इस मंच पर लाकर पठन –पाठन करने का अनुरोध किया, उन्होंने भारत के प्राचीनतम ज्ञान को आज भी प्रासंगिक और वैज्ञानिक बताया और इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने व्यक्तिव में सकारात्मक विकास करने की बात कही। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनुपमा सक्सेना ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के प्रयास और उत्साह के प्रति अपना हर्ष व्यक्त किया और निरंतर इसी प्रकार कार्य करने को प्रोत्साहित किया, उन्होंने विद्यार्थियों को यह आश्वासन भी दिया कि जब भी उनका सहयोग अपेक्षित होगा सदैव यथा संभव सहयोग करने को तत्पर रहेंगी । विद्यार्थियों द्वारा भी 'परिदृश्य' को लेकर अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किया गये , जिनमे उन्होंने बताया कि किस प्रकार यह मंच उनको आत्मविश्वास और सृजनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान कर रहा है,जिसकी सकरात्मक छवि उनके व्यक्तिव पर भी दिखाई पढ़ रही है, इस अवसर पर अन्य अतिथि जिनमे डॉ सांत्वना पांडेय, डॉ रामबाबू, डॉ नाहिद हसन, डॉ श्रद्धा गर्ग, डॉ अमित कुमार गुप्ता, आकाश तवर, दिव्या जयसवाल, राजेश रमन, अमित भगत, शैफाली दास उपस्थित थे, साथ ही राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे,कार्यक्रम का संचालन गोपाल यादव और मोनिका भगत द्वारा किया गया, आभार प्रकट और धन्यवाद ज्ञापन रोहन मोटवानी द्वारा किया गया|